रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2051] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 22, 2015/भाद्र 31, 1937
No. 2051] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 22, 2015/BHADRA 31, 1937

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर , 2015

का.आ. 2600(अ).—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, ; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

2. ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने में हितबद्ध है, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंद्रा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 या ई-मेल पते: esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकेगा ।

प्रारूप अधिसूचना

असम के जिला दररांग और सोनितपुर में स्थित राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क, अक्षांश 26^0 26' 35' से 26^0 37' 34' उत्तर और 92^0 12' 47' से 92^0 39' 29' पूर्व है देशांतर के बीच है जिसमें एक से अधिक सींग वाले गैंडों की काफी जनसंख्या है और 79.28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है ।

और जहाँ, जीव-जन्तु एवं वनस्पति प्रजातियाँ, यहाँ कि संपन्न जैव विविधता की महत्व प्रदर्शित करती हैं ।

और जहाँ राष्ट्रीय पार्क में विशेषकर बाघो की अत्यधिक सघन जनसंख्या है जिससे ब्रम्हपुत्र नदी के साथ लोकहोवा वन्यजीव अभयारण्य तक सुरक्षित गलियारे की आवश्यकता है ।

और जहाँ, राष्ट्रीय पार्क विविध गंभीर संकटापन्न प्रजातियाँ जिसमें बंगाल फ्लोरीकन, ग्रेटर एडजुटेंट स्ट्रोर्क, रीवर डालफिन, तथा पिग्मी हांग के आवास है ।

और, राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से **पारिस्थितिक संवेदी जोन** के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त **पारिस्थितिक संवेदी जोन** में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, असम में राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की सीमा से चारों ओर 3 किलोमीटर से 25 किलोमीटर तक के विस्तारित क्षेत्र को राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क पारिस्थितिकीय संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिक संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :--

1. **पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं**--(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन, राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की सीमा के चारों ओर 3 किलोमीटर से 25 किलोमीटर के क्षेत्र तक विस्तारित होगा ।

(2) पारिस्थितिक संवेदी जोने के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध -I** के रूप में उपाबद्ध है ।

(3) राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की सीमाएं जी.पी.एस. निर्देशांकों और बिन्दुओं के साथ **उपाबंध II** के रूप में उपाबद्ध है ।

(4) सीमा ब्यौरे और अक्षांश तथा देशान्तर के साथ पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र **उपाबंध III** के रूप में उपाबद्ध है ।

2. पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना -(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से, इस अधिसूचना में संलग्न अनुबंधों के सामंजस्य से आंचलिक महायोजना तैयार करेगी ।

(2) उक्त योजना राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होगी ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना, राज्य सरकार द्वारा इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप में ऐसी रीति में तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के सामंजस्य में भी तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देश, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(4) आंचलिक महायोजना राज्य के सभी संबद्ध विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:--

(i) पर्यावरण;

(ii) वन;

(iii) शहरी विकास;

(iv) पर्यटन;

(v) नगरपालिक;

(vi) राजस्व;

(vii) कृषि;

(viii) असम राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;

(ix) सिंचाई; और

(x) लोक निर्माण विभाग ।

(5) उक्त योजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हों और उक्त महायोजना में सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में दक्षता और पारिस्थितिकीय अनुकूलता का संवर्धन करेगी ।

(6) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(7) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, जनजातीय क्षेत्र, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, आर्किडों, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी ।

(8) उक्त महायोजना पारिस्थितिक संवेदी जोन में विकास के पारिस्थितिक अनुकूल विकास और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुनिश्चित करते हुए विनियमित होगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय--** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात् :--

(1) **भू-उपयोग -** पारिस्थितिक संवेदी जोन में आमोद-प्रमोद के प्रयोजन के लिए चिन्हित किए गए हैं । वनों, उद्यान-कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक और औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा :

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि भूमि का संपरिवर्तन के अधीन मानीटरी समिति की सिफारिश पर और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए और पैरा 4 की सारणी के स्तंभ (2) के सामने सूचीबद्ध क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होंगे, अर्थात् :-

(i) पारिस्थितिकीय अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों के लिए पर्यटकों के अस्थायी आवासन के लिए पारिस्थितिकीय अनुकूल आरामगाह जैसे टेंट, लकड़ी के मकान आदि ;

(ii) विद्यमान सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ बनाना तथा नई सड़कों का सन्निर्माण;

(iii) प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) वर्षा जल संचयन; और

(v) कुटीर उद्योग, जिसके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग, सुविधा भंडार और स्थानीय सुख-सुविधाएं हैं :

परंतु यह और कि राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या उद्योग विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा :

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में पाई जाने वाली कोई त्रुटि मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में केवल एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को सूचना देनी होगी :

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि के संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा :

परंतु यह और भी कि हरित क्षेत्र जैसे वन क्षेत्र, कृषि क्षेत्र आदि में कोई पारिणामिक कटौती नहीं होगी और अप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे ।

(2) **प्राकृतिक जल-स्रोत** -- आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक स्रोतों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनर्नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के लिए ऐसी रीति से मार्गनिर्देश तैयार किए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन -** (क) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप, पर्यटन महायोजना के अनुसार होंगे, जो आंचलिक महायोजना का भाग रूप होंगे ।

(ख) पर्यटन महायोजना असम सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा वन और पर्यावरण विभाग के परामर्श से तैयार होगी ।

(ग) पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नलिखित के अधीन विनियमित होंगे, अर्थात् :-

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी मार्गनिदेशों के अनुसार होगा जिसमें पारिस्थितिक पर्यटन, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास को महत्व दिया जाएगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन पर आधारित होगा ;

(ii) राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर होटल और रिसार्ट के नए संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे सिवाए पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों से संबंधित पर्यटकों के अस्थायी निवास के लिए । ।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकारियों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा ।

(4) **नैसर्गिक विरासत --** पारिस्थितिक संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाओं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातो आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें परिरक्षित किया जाएगा तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर, उपयुक्त योजना बनाई जाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगी ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल -** पारिस्थितिक संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों और अहातों की पहचान की जाएगी और इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर उनके संरक्षण की योजनाएं तैयार की जाएंगी तथा आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएंगी ।

(6) **ध्वनि प्रदूषण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग या पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(7) **वायु प्रदूषण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग या पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार होगा ।

(9) **ठोस अपशिष्ट --** ठोस अपशिष्टों का निपटान निम्नलिखित रूप में होगा -

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 908(अ), तारीख 25 सितंबर, 2000 को प्रकाशित नगरपालिक ठोस अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

(ii) स्थानीय प्राधिकरण जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्कन के लिए योजनाएं तैयार करेंगे ;

(iii) जैव निम्नीकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा ;

(iv) अकार्बनिक सामग्री का निपटान पारिस्थितिक संवेदी जोन के बाहर पहचान किए गए स्थल पर किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों को जलाना या भस्मीकरण अनुज्ञात नहीं होगा ।

(10) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट**- पारिस्थितिक संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.का.आ.630 (अ) तारीख 20 जुलाई, 1998 द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 1998 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(11) **यानीय परिवहन** - परिवहन की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध अधिकथित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय गतिविधियों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(12) **औद्योगिक इकाइयां**

(क) विधि के अनुसार स्थापित काष्ठ आधारित विद्यमान उद्योगों के सिवाय प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर किसी नए काष्ठ आधारित उद्योगों को स्थापित करने की अनुज्ञा नहीं होगी ।

(ख) प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर जल, वायु, मृदा, ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले किसी नए उद्योग को स्थापित करने की अनुज्ञा नहीं होगी ।

4. पारिस्थितिक संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची - पारिस्थितिक संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :--

सारणी

क्रम सं.	**क्रियाकलाप**	**टीका-टिप्पणी**
(1)	(2)	(3)
	प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप :	
(1)	वाणिज्यिक खनन, पत्थर की खदान और उनको तोड़ने की इकाइयां ।	(क) सभी प्रकार के खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनको तोड़ने की इकाइयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए भूमि को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय नहीं होंगी ; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4.8.2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21.04.2014 के अंतरिम आदेश के अनुसरण में सर्वदा प्रचालन होगा ।
(2)	आरा मशीनों की स्थापना ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मशीनों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
(3)	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(4)	जल या वायु या मृदा या ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर किसी नए और प्रदूषण कारित करने वाले विद्यमान उद्योगों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
(5)	नए बृहत थर्मल और जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(6)	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(7)	प्लास्टिक के थैलों का उपयोग ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(8)	पर्यटन से संबंधित क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुबारों आदि द्वारा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(9)	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्स्राव और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(10)	मोबाई टावर ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।

(11)	पशुओं का झुंड ।	राष्ट्रीय पार्क के 500 मीटर सीमा के भीतर पशुओं के झुंड नहीं रखे जाएंगे ।
	विनियमित क्रियाकलाप	
(12)	होटल और सैरगाह की स्थापना ।	संरक्षित क्षेत्र की सीमा के 1 किलोमीटर के भीतर कोई नया वाणिज्यिक होटल और रिसोर्ट अनुज्ञात नहीं किया जाएगा सिवाय पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों के संबंध में पर्यटकों के अस्थायी निवास स्थानों के । तथापि, एक किलोमीटर के परे और पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना प्राधिकरण के मार्ग-दर्शक सिद्धांतों के अनुरुप किया जाएगा ।
(13)	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा के 1 किलोमीटर के भीतर किसी भी प्रकार का कोई नया वाणिज्यिक संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा : परंतु यह कि स्थानीय निवासियों को उनके आवासीय उपयोग के लिए उनकी भूमि में संनिर्माण, जिसके अंतर्गत पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलाप भी हैं, को करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा : परंतु यह कि प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योगों से संबंधित सन्निर्माण क्रियाकलाप यथा लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित होंगे और न्यूनतम पर रखे जाएंगे । पारिस्थितिक संवेदी जोन के एक किलोमीटर विस्तार तक और उससे परे सभी नए पर्यटक क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार आंचलिक महायोजना के अनुरुप किया जाएगा ।
(14)	खाई-स्थल ।	कोई नई खाई स्थल स्थापित नहीं की जाएगी । पुराने खाई स्थल लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(15)	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(16)	वायु और यानिक प्रदूषण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(17)	ध्वनि प्रदूषण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(18)	भू-जल का निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(19)	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में किंही वृक्षों की कटाई नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई, संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी । (ग) आरक्षित वनों और संरक्षित वनों के मामले में कार्य योजना निर्देशों का पालन किया जाएगा ।
(20)	प्रवासी चरवाहों ।	आंचलिक महायोजना के लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(21)	विद्यमान स्थापन ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।

(22)	विद्युत लाइनों का रोधन ।	भूमिगत केबल को बढ़ावा दिया जाएगा ।
(23)	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ करना ।	यथा लागू उचित पर्यावरण समाघात निर्धारण और न्यूनीकरण उपायों के साथ किया जाएगा ।
(24)	होटलों और लॉज के विद्यमान परिसरों में बाड़ लगाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे । पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर वन्यजीव के मुक्त संचरण के लिए, होटल या अन्य वाणिज्यिक स्थापन अपनी संपत्तियों को कंटीले तार से घेराबंदी नहीं करेंगे और कोई भी घेराबंदी 1 मीटर से ऊंची नहीं होगी । इस अनुबंध का पालन न करने वाले किसी विद्यमान घेराबंदी को आंचलित महायोजना में वर्णित समय-सीमाओं के अनुसार उपांतरित किया जाएगा ।
(25)	कृषि प्रणाली में प्रबल परिवर्तन ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(26)	वाणिज्यिक प्राकृतिक जल संसाधन जिसके अंतर्गत भू-जल संचयन भी है।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(27)	रात्रि में यानिक परिवहन का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे ।
(28)	प्रवासी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(29)	साइनबोर्ड और होर्डिंग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
(30)	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	कोई संनिर्माण क्रियाकलाप आंचलिक महायोजना के अधीन तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा 1 से 10 से अधिक पहाड़ी ढलानों पर और किसी नदी के तटों से 100 मीटर तक और प्राकृतिक नाला को बनाने की कार्रवाई न कर ली जाए ।
	संवर्धित क्रियाकलापः	
(31)	डेयरी, डेयरी उद्योग, एक्वाकल्चर और मत्स्य उद्योग के साथ स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी गतिविधियां ।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाएगा ।
(32)	जैविक खेती ।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाएगा ।
(33)	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना ।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाएगा ।
(34)	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं ।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाएगा ।
(35)	वर्षा जल संचयन ।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाएगा ।
(36)	प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योग ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन में देशीय माल से उत्पादों का उत्पादन करने वाले गैर प्रदूषण, गैर परिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि उद्यान, कृषि या कृषि आधारित ऐसे उद्योग जो पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालते हैं, अनुज्ञात किए जाएंगे ।
(37)	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग ।	लागू विधियों के अधीन बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. मानीटरी समिति- (1) केंद्रीय सरकार, असम राज्य के अंतर्गत आने वाले पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी मानीटरी के लिए एक मानीटरी समिति गठित करती है जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

(क) उपायुक्त, सोनितपुर - अध्यक्ष ;

(ख) पारिस्थितिक और पर्यावरण के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ जिसे असम राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाएगा - सदस्य;

(ग) गैर सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि, (जो पर्यावरण और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है) जिसे असम राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक वर्ष की अवधि के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाएगा - सदस्य ;

(घ) क्षेत्रीय अधिकारी, असम राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - सदस्य ;

(ङ) जिला मत्यपालन अधिकारी, दररांग - सदस्य ;

(च) जिला वन अधिकारी, सोनितपुर - सदस्य ;

(छ) प्रभागीय वन अधिकारी (वन्यजीव) - सदस्य-सचिव ।

निर्देश निबंधन

(2) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण निकासी के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी ।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी के स्तम्भ (3) में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध कलक्टर या संबंधित उद्यान का भारसाधक, ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा ।

(6) मानीटरी समिति मुद्दों के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्य जीव वार्डन को **उपाबंध IV** में उपबंधित रूप में उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निदेश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

6. इस अधिसूचना के उपबंध, माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/116/2015-ईएसजेड-आरई]

डा. टी. चांदनी, वैज्ञानिक 'जी'

<u>उपाबंध</u> I

राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की पारिस्थितिकीय संवेदी जोन के भीतर आने वाले ग्रामों की सूची

क्र. सं.	गाँव के नाम	भूमि उपयोग	उद्योग
1	बदसा सिमालु न. 2	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
2	बादलीचार	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
3	बरभोगिया	कृषि, पशु पालन	शून्य
4	बरसोला गांव न. 1	कृषि, पशु पालन	शून्य
5	बरसोला गांव न. 2	कृषि, पशु पालन	शून्य
6	बेसिमरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
7	भाबापुर	कृषि, पशु पालन, चाय की खेती	शून्य
8	बिलपार	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
9	बगोरीबारी	कृषि, पशु पालन	शून्य
10	बरकुर छपोरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
11	सितलमारी	कृषि, पशु पालन	शून्य
12	सितलमारी एन सी	कृषि, पशु पालन	शून्य
13	दिम्बु चार	कृषि, पशु पालन	शून्य
14	देव पुखुरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
15	फातसीमालु एन सी	कृषि, पशु पालन	शून्य
16	फातसीमालु गाँव	कृषि, पशु पालन	शून्य
17	गराईमारी	कृषि, पशु पालन	शून्य
18	हमुचार	कृषि, पशु पालन	शून्य
19	कचारीवेती टप 1	कृषि, पशु पालन	शून्य
20	कचारीवेती टप 2	कृषि, पशु पालन	शून्य
21	कचारीवेती टप 3	कृषि, पशु पालन	शून्य
22	कसोमारी चपोरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
23	कचोमारी गांव	कृषि, पशु पालन	शून्य
24	कचोमारी सुनारी बस्ती	कृषि, पशु पालन	शून्य
25	कउरेहागी चार	कृषि, पशु पालन	शून्य
26	खेरोनी एन सी	कृषि, पशु पालन	शून्य
27	कोपती ग्रांट न. 2	कृषि, पशु पालन	शून्य
28	लाहोरी चार	कृषि, पशु पालन	शून्य
29	मोरासली	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
30	मोराबेलसिरी	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
31	नादिर पार	कृषि, पशु पालन	शून्य
32	नालबरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
33	नेपालीगांव	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
34	निचलामरी	कृषि, पशु पालन	शून्य

35	नीज बरसोला	कृषि, पशु पालन	शून्य
36	पनचा टापु	कृषि, पशु पालन	शून्य
37	रहमानपुर	कृषि, पशु पालन	शून्य
38	रंगागोराहपठार	कृषि, पशु पालन	शून्य
39	रोवमारी	कृषि, पशु पालन	शून्य
40	सिआलमारी	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
41	सिआलमारी 2	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
42	सिआलमारी 4	कृषि, पशु पालन, मछली पालन, चाय की खेती	शून्य
43	सिलबोरी	कृषि, पशु पालन	शून्य
44	थलथली	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य
45	टिला बस्ती	कृषि, पशु पालन, मछली पालन	शून्य

<u>उपाबंध-II</u>

ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क की पारिस्थितिकीय संवेदी जोन के अक्षांश – देशांतर

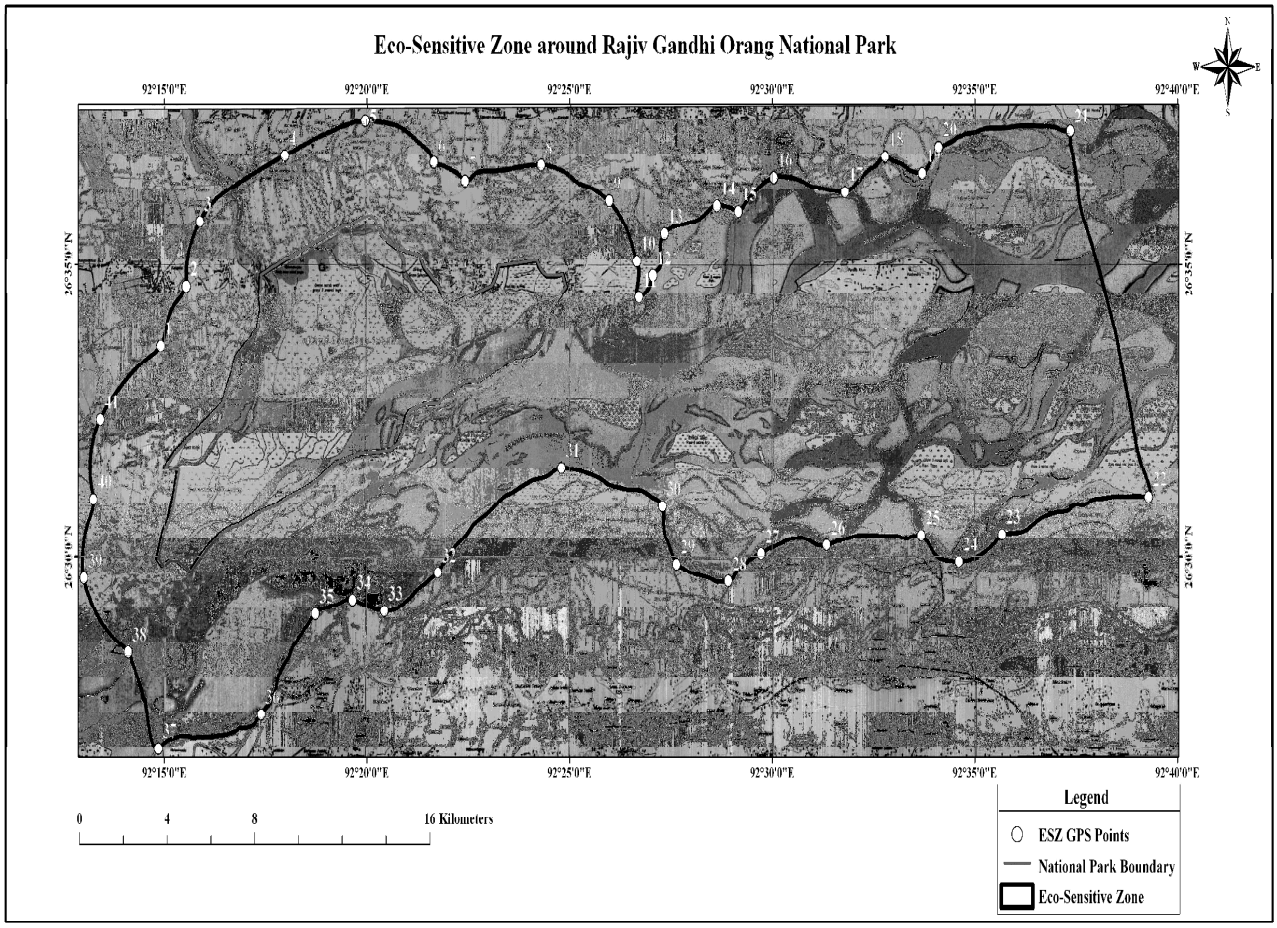
भौगोलिक स्थिति पद्धति बिन्दु सं.	अक्षांश	देशांतर	मानचित्र पर अगले अंक के लिए दिशा निर्देश
1 (खुजवा बील के पास)	26° 33' 35.91" उ	92° 14' 57.05" पू	उत्तर
2	26° 34' 38.72" उ	92° 15' 34.31" पू	उत्तर
3	26° 35' 44.93" उ	92° 15' 53.38" पू	उत्तर-पूर्व
4	26° 36' 53.48" उ	92° 17' 58.01" पू	पूर्व
5	26° 37' 26.19 " उ	92° 19' 56.85" पू	पूर्व
6	26° 36' 46.03" उ	92° 21' 39.29" पू	पूर्व
7	26° 36' 26.82" उ	92° 22' 23.77" पू	पूर्व
8	26° 36' 43.68" उ	92° 24' 15.97" पू	दक्षिण-पूर्व
9	26° 36' 07.71" उ	92° 25' 57.69" पू	दक्षिण
10	26° 35' 05.40" उ	92° 26' 38.33" पू	दक्षिण
11	26° 34' 26.60" उ	92° 26' 41.88" पू	उत्तर - पूर्व
12	26° 34' 49.72" उ	92° 27' 01.26" पू	उत्तर
13	26° 35' 31.03" उ	92° 27' 19.22" पू	पूर्व
14	26° 35' 59.82" उ	92° 28' 36.41" पू	पूर्व
15	26° 35' 55.69" उ	92° 29' 07.35" पू	उत्तर-पूर्व
16	26° 36' 31.05" उ	92° 30' 00.31" पू	पूर्व
17	26° 36' 15.64" उ	92° 31' 45.27" पू	उत्तर-पूर्व
18	26° 36' 51.62" उ	92° 32' 44.30" पू	दक्षिण-पूर्व
19	26° 36' 34.20" उ	92° 33' 40.18" पू	उत्तर-पूर्व

20	26° 37' 01.56" उ	92° 34' 02.94" पू	पूर्व
21	26° 37' 16.67 " उ	92° 37' 17.23" पू	दक्षिण
22	26° 31' 01.57" उ	92° 39' 13.35" पू	पश्चिम
23	26° 30' 24.01" उ	92° 35' 37.14" पू	दक्षिण-पश्चिम
24	26° 29' 56.53" उ	92° 34' 33.42" पू	उत्तर- पश्चिम
25	26° 30' 23.66" उ	92° 33' 40.24" पू	पश्चिम
26	26° 30 '11.08" उ	92° 31' 19.22 " पू	पश्चिम
27	26° 30' 04.07" उ	92° 29' 41.84" पू	दक्षिण-पश्चिम
28	26° 29' 36.01" उ	92° 28' 54.27" पू	पश्चिम
29	26° 29' 53.31 " उ	92° 27' 38.95" पू	उत्तर
30	26° 30 '54.49" उ	92° 27' 19.18" पू	पश्चिम
31	26° 31' 32.10" उ	92° 24' 47.82" पू	दक्षिण-पश्चिम
32	26° 29' 44.58" उ	92° 21' 44.31" पू	दक्षिण-पश्चिम
33	26° 29' 04.20" उ	92° 20' 27.29" पू	पश्चिम
34	26° 29' 16.11" उ	92° 19' 40.20" पू	दक्षिण-पश्चिम
35	26° 29' 00.69 " उ	92° 18' 45.89" पू	दक्षिण
36	26° 27' 17.21" उ	92° 17' 27.27" पू	पश्चिम
37	26° 26' 44.29" उ	92° 14' 55.72" पू	उत्तर
38	26° 28' 21.69 " उ	92° 14' 10.09" पू	उत्तर-पश्चिम
39	26° 29' 38.96" उ	92° 13' 05.10" पू	उत्तर
40	26° 30' 59.07" उ	92° 13' 17.32" पू	उत्तर
41	26° 32' 20.39" उ	92° 13' 26.85" पू	उत्तर-पूर्व (बिन्दु 1 के लिए)

टिप्पणीः ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा अपनी प्राकृतिक क्रम सीमा में हो जाएगा ।

उपाबंध-III

राजीव गांधी ऑरेंज राष्ट्रीय पार्क के पारिस्थितिक संवेदी जोन के अक्षांश और देशांतर के साथ मानचित्र



उपाबंध-IV

पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान :

1. बैठकों की संख्या और दिनांक ।
2. बैठकों का कार्यवृत : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबद्ध करें ।
3. जोनल मास्टर प्लान की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन मास्टर प्लान (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सारांश (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)।
5. ईआईए अधिसूचना, 2006 (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
 के अधीन आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं ।

6. ईआईए अधिसूचना, 2006 (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार) के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं ।

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार) ।

8. महत्ता का कोई अन्य विषय ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd September, 2015

S.O. 2600(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110003, or send it to the e-mail address of the Ministry at: - esz-mef@nic.in.

Draft Notification

Whereas, the Rajiv Gandhi Orang National Park located in Darrang and Sonitpur District, Assam is situated between 26°26'35" to 26°37'34" N latitudes and 92°12'47" to 92°39'29" E longitudes, home to a considerable population of Greater One-horned Rhinoceros having an area of 79.28 square kilometre.

And whereas, the flora and fauna represent rich biological significance of this Sanctuary;

And whereas, the National Park has an exceptionally high density of Tiger population which needs secure corridors along the Brahmaputra River up to Laokhowa Wildlife Sanctuary; and

And whereas, the National Park is home to several critically endangered species including Bengal Florican, Greater Adjutant Stork, River Dolphin and Pygmy Hog;

And whereas, it is necessary to conserve and protect the area the extent and boundaries of which is specified in paragraph 1 of this notification surrounding the protected area of Rajiv Gandhi Orang National Park as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view.

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 3 kilometre to 25 kilometre around the boundary of Rajiv Gandhi Orang National Park in the State of Assam as the Rajiv Gandhi Orang National Park Eco-sensitive Zone (hereinafter referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.-** (1) The Eco-Sensitive Zone shall be to an extent varying from 3 kilometre to 25 kilometre around the boundary of Rajiv Gandhi Orang National Park.
2. The list of villages falling in Eco-sensitive Zone is given at Annexure-I.
3. The GPS Co-ordinates of points along the boundary of Rajiv Gandhi Orang National Park is given at Annexure-II.
4. The map of the Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes is appended as Annexure-III.

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.- (1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification.

(2) The said Plan shall be approved by the Competent Authority in the State Government.

(3) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such a manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(4) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with all concerned State Departments, namely:-

(i) Environment;

(ii) Forest;

(iii) Urban Development;

(iv) Tourism;

(v) Municipal;

(vi) Revenue;

(vii) Agriculture;

(ix) Assam State Pollution Control Board;

(x) Irrigation;

(xi) Public Works Department,

for integrating environmental and ecological considerations into it.

(5) The said Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the said Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(6) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that needs attention.

(7) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, village and urban settlements, types and kinds of forests, tribal areas, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies.

(8) The said Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone so as to ensure Eco-friendly development for livelihood security of local communities.

3. **Measures to be taken by State Government.-**The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) **Land use.-** Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities:

Provided that the conversion of agricultural lands within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of local residents, and for the activities specified in column (2) of the Table in paragraph 4, namely:-

(i) Eco-friendly cottages for temporary occupation of tourists, such as tents, wooden houses, etc. for Eco-friendly tourism activities;

(ii) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(iii) Small scale industries not causing pollution;

(iv) Rainwater harvesting; and

(v) Cottage industries including village industries, convenience stores and local amenities:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph:

Provided also that there shall be no consequential reduction in green area, such as forest area and agricultural area and efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas.

(2) **Natural springs.-**The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism.-** (a) The activity relating to tourism within the Eco-sensitive Zone shall be as per Tourism Master Plan, which shall form part of the Zonal Master Plan.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism, Government of Assam in consultation with Department of Forests and Environment, Government of Assam.

(c) The activity of tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development and based on carrying capacity study of the Eco-sensitive Zone;

(ii) new construction of hotels and resorts shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the Rajiv Gandhi Orang National Park except for accommodation for temporary occupation of tourists related to Eco-friendly tourism activities.

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee.

(4) **Natural heritage.-** All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and preserved and plan shall be drawn up for their protection and conservation, within six months from the date of publication of this notification and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.-** Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and plans for their conservation shall be prepared within six months from the date of publication of this notification and incorporated in the Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.-** The Environment Department of the State Government or Assam State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981(14 of 1981) and the rules made thereunder.

(7) **Air pollution.-** The Environment Department of the State Government or Assam State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of air pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) **Discharge of effluents.-** The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974)and the rules made thereunder.

(9) **Solid wastes. -** Disposal of solid wastes shall be as under:-

(i) the solid waste disposal in Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* notification number S.O. 908 (E), dated the 25th September, 2000 as amended from time to time;

(ii) the local authorities shall draw up plans for the segregation of solid wastes into biodegradable and non-biodegradable components;

(iii) the biodegradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture;

(iv) The inorganic material may be disposed in an environmentally acceptable manner at site(s) identified outside the Eco-sensitive Zone and no burning or incineration of solid wastes shall be permitted in the Eco-sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.-** The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 1998 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* notification number S.O. 630(E), dated the 20th July, 1998 as amended from time to time.

(11) **Vehicular traffic**. - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master Plan is prepared and approved by the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(12) **Industrial Units.-** (a) No establishment of new wood based Industries within the proposed Eco-sensitive zone shall be permitted except the existing wood based Industries set up as per the law.

(b) No establishment of any new Industry causing water, air, soil, noise pollution within the proposed Eco-sensitive zone shall be permitted.

4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.-** All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made thereunder, and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S.No.	Activity	Remarks
(1)	(2)	(3)
Prohibited Activities		
1.	Commercial Mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited except for the domestic needs of *bona fide* local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing for personal consumption. (b) The mining operations shall strictly be in accordance with the orders of the Hon'ble Supreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and order of the Hon'ble Supreme Court dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting up of saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
3.	Use or production of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Setting up of industries causing water or air or soil or noise pollution.	No new or expansion of polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
5.	Establishment of new major thermal and hydro-electric projects.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
7.	Use of plastic bags.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the National Park Area by aircraft, hot-air balloons.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
9	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
10	Mobile Towers.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable

		laws.
11	Cattle herds.	Cattle herds shall not be kept within 500 metre from the boundary of the National Park.
Regulated Activities		
12	Establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the Protected Area except for accommodation for temporary occupation of tourists related to Eco-friendly tourism activities. However, beyond one kilometer and upto the extent of the Eco-sensitive Zone all new tourism activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan
13	Construction activities.	No new commercial construction of any kind shall be permitted within one kilometer from the boundary of the Protected Area: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their residential use including the activities listed in sub-paragraph (1) of paragraph 3: Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the Competent Authority as per applicable rules and regulations, if any. Beyond one kilometer and upto the extent of the Eco-sensitive Zone all new tourism activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Zonal Master Plan.
14	Trenching ground.	Establishing of new trenching ground is prohibited and old trenching grounds shall be regulated under applicable laws.
15	Discharge of treated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Regulated under applicable laws.
16	Air and Vehicular Pollution.	Regulated under applicable laws.
17	Noise pollution .	Regulated under applicable laws.
18	Extraction of ground water.	Regulated under applicable laws.
19	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government; (b) the felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Acts and the rules made thereunder. (c) in case of Reserve Forests and Protected Forests, the Working Plan prescriptions shall be followed.
20	Migratory graziers.	Regulated under applicable laws and as per Zonal Master Plan.
21	Existing establishments.	Regulated under applicable laws
22	Insulation of electric lines.	Promote underground cabling.
23	Widening and strengthening of existing roads.	Shall be done with proper Environment Impact Assessment and mitigation measures, as applicable.
24	Fencing of existing premises of hotels and lodges.	Regulated under applicable laws. In order to allow free movement of wildlife, hotels or other commercial establishments within the Eco-sensitive Zone shall not fence their properties with barbed wire and no fence shall be higher than 1 meter. Any existing fence not complying with this stipulation shall be modified as per the time lines mentioned in the Zonal Master Plan.

25	Drastic change of agriculture system.	Regulated under applicable laws.
26	Commercial use of Natural water resource including Ground water Harvesting.	Regulated under applicable laws.
27	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial vehicles under applicable laws.
28	Introduction of exotic species.	Regulated under applicable laws.
29	Sign Board and Hoardings.	Regulated under applicable laws.
30	Protection of hill slopes and river banks	No construction activity unless otherwise permitted by under the Zonal Master Plan shall be undertaken on the hill with slopes more than 1 to 10 meters and also upto 100 meters from the banks of any river, and natural nallah.
Promoted Activities		
31	On going agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws.
32	Organic farming.	Shall be actively promoted.
33	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
34	Cottage industries including village artisans.	Shall be actively promoted.
35	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
36	Small scale industries not causing pollution.	Non polluting, non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous goods from the Eco-sensitive Zone, and which do not cause any adverse impact on environment shall be permitted.
37	Use of renewable energy sources.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- (1) The Central Government, for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, hereby constitutes a Monitoring Committee for the State of Assam which shall comprise of the following, namely:-

i) Deputy Commissioner, Sonitpur - Chairman ;

ii) An expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Government of Assam for a period of one year in each case - Member ;

iii) One representative of Non-Governmental Organisation (working in the field of environment including heritage conservation) to be nominated by the Central Government for a period of one year in each case - Member ;

iv) Regional Officer, Assam State Pollution Control Board - Member ;

v) District Fisheries Officer, Darrang - Member ;

vi) District Forest Officer, Sonitpur - Member ;

vii) Divisional Forest Officer (Wildlife) - Member-Secretary ;

(2) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column(3) of the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006 but are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column (3) of the Table under

paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned Regulatory Authorities.

(5) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Collector or the concerned park in-charge shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from Industry Associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change as per pro forma given in Annexure IV.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

6. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any, passed, or to be passed, by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal .

[F. No. 25/116/2015-ESZ-RE]

DR. T. CHANDINI, Scientist 'G'

ANNEXURE-I

LIST OF VILLAGE FALLING IN ECO-SENSITIVE ZONE of Rajiv Gandhi Orang National Park

S.N.	Name of Village	Land use	Industry
1	Badsa Simalu No. 2	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
2	Badlichar	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
3	Barbhogia	Agriculture, cattle rearing	Nil
4	Barsola gaon No. 1	Agriculture, cattle rearing	Nil
5	Barsola gaon No. 2	Agriculture, cattle rearing	Nil
6	Besimari	Agriculture, cattle rearing	Nil
7	Bhabapur	Agriculture, cattle rearing, tea cultivation	Nil
8	Bilpar	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
9	Bagoribari	Agriculture, cattle rearing	Nil
10	Barkur chapori	Agriculture, cattle rearing	Nil
11	Sitalmari	Agriculture, cattle rearing	Nil
12	Sitalmari NC	Agriculture, cattle rearing	Nil
13	Dimbu char	Agriculture, cattle rearing	Nil
14	Dev pukhuri	Agriculture, cattle rearing	Nil
15	Fatasimalu NC	Agriculture, cattle rearing	Nil
16	Fatasimalu village	Agriculture, cattle rearing	Nil
17	Garaimari	Agriculture, cattle rearing	Nil
18	Hamuchar	Agriculture, cattle rearing	Nil
19	Kachariveti tup 1	Agriculture, cattle rearing	Nil
20	Kachariveti tup 2	Agriculture, cattle rearing	Nil
21	Kachariveti tup 3	Agriculture, cattle rearing	Nil
22	Kasomari chapori	Agriculture, cattle rearing	Nil
23	Kachomari gaon	Agriculture, cattle rearing	Nil
24	Kachomari sunari basti	Agriculture, cattle rearing	Nil
25	Kaurehagi char	Agriculture, cattle rearing	Nil
26	Kheroni NC	Agriculture, cattle rearing	Nil
27	Kopati grant No. 2	Agriculture, cattle rearing	Nil
28	Lahori char	Agriculture, cattle rearing	Nil
29	Morasali	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
30	Morabelsiri	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil

31	Nadir par	Agriculture, cattle rearing	Nil
32	Nalbari	Agriculture, cattle rearing	Nil
33	Nepaligaon	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
34	Nichlamari	Agriculture, cattle rearing	Nil
35	Niz Barsola	Agriculture, cattle rearing	Nil
36	Pancha tapu	Agriculture, cattle rearing	Nil
37	Rahmanpur	Agriculture, cattle rearing	Nil
38	Rangagorahpathar	Agriculture, cattle rearing	Nil
39	Rowmari	Agriculture, cattle rearing	Nil
40	Sialmari	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
41	Sialmari 2	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
42	Sialmari 4	Agriculture, cattle rearing, pisciculture, tea cultivation	Nil
43	Silbori	Agriculture, cattle rearing	Nil
44	Thalthali	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil
45	Tila basti	Agriculture, cattle rearing, pisciculture	Nil

ANNEXURE-II

Latitudes - Longitudes of Orang National Park Eco-Sensitive Zone

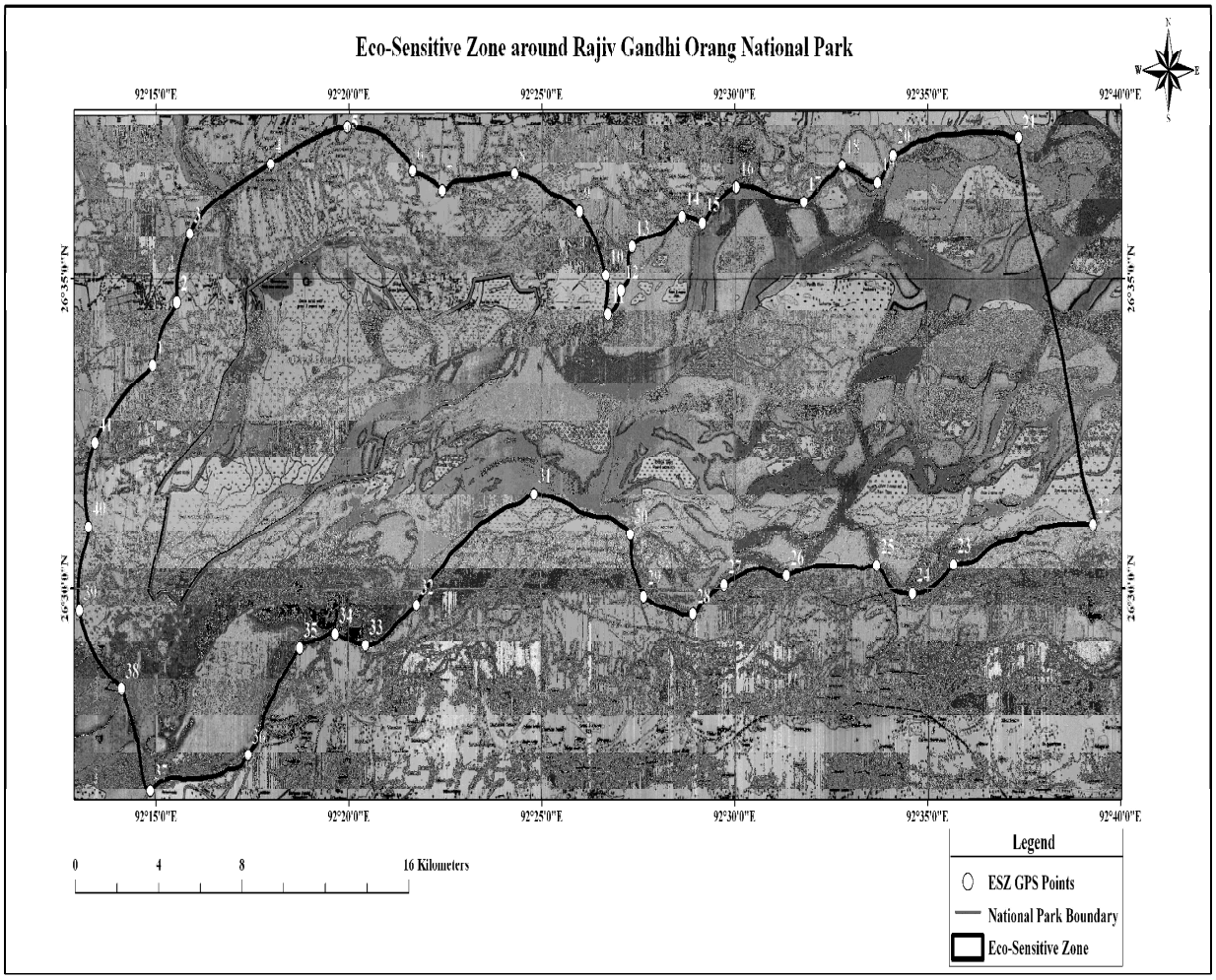
GPS Point No.	Latitude	Longitude	Direction to the next point on map
1 (Near Khujawa Beel)	26° 33' 35.91" N	92° 14' 57.05" E	North
2	26° 34' 38.72" N	92° 15' 34.31" E	North
3	26° 35' 44.93" N	92° 15' 53.38" E	North-east
4	26° 36' 53.48" N	92° 17' 58.01" E	East
5	26° 37' 26.19 "N	92° 19' 56.85" E	East
6	26° 36' 46.03" N	92° 21' 39.29" E	East
7	26° 36' 26.82" N	92° 22' 23.77" E	East
8	26° 36' 43.68" N	92° 24' 15.97" E	South-east
9	26° 36' 07.71" N	92° 25' 57.69" E	South
10	26° 35' 05.40" N	92° 26' 38.33" E	South
11	26° 34' 26.60" N	92° 26' 41.88" E	North-east
12	26° 34' 49.72" N	92° 27' 01.26" E	North
13	26° 35' 31.03" N	92° 27' 19.22" E	East
14	26° 35' 59.82" N	92° 28' 36.41" E	East
15	26° 35' 55.69" N	92° 29' 07.35" E	North-east
16	26° 36' 31.05" N	92° 30' 00.31" E	East
17	26° 36' 15.64" N	92° 31' 45.27" E	North-east
18	26° 36' 51.62" N	92° 32' 44.30" E	South-east
19	26° 36' 34.20" N	92° 33' 40.18" E	North-east
20	26° 37' 01.56" N	92° 34' 02.94" E	East
21	26° 37' 16.67 "N	92° 37' 17.23" E	South
22	26° 31' 01.57" N	92° 39' 13.35" E	West
23	26° 30' 24.01" N	92° 35' 37.14" E	South-west
24	26° 29' 56.53" N	92° 34' 33.42" E	North-west
25	26° 30' 23.66" N	92° 33' 40.24" E	West
26	26° 30 '11.08" N	92° 31' 19.22 "E	West
27	26° 30' 04.07" N	92° 29' 41.84" E	South-west
28	26° 29' 36.01" N	92° 28' 54.27" E	West
29	26° 29' 53.31 "N	92° 27' 38.95" E	North

30	26° 30 '54.49" N	92° 27' 19.18" E	West
31	26° 31' 32.10" N	92° 24' 47.82" E	South-west
32	26° 29' 44.58" N	92° 21' 44.31" E	South-west
33	26° 29' 04.20" N	92° 20' 27.29" E	West
34	26° 29' 16.11" N	92° 19' 40.20" E	South-west
35	26° 29' 00.69 "N	92° 18' 45.89" E	South
36	26° 27' 17.21" N	92° 17' 27.27" E	West
37	26° 26' 44.29" N	92° 14' 55.72" E	North
38	26° 28' 21.69 "N	92° 14' 10.09" E	North-west
39	26° 29' 38.96" N	92° 13' 05.10" E	North
40	26° 30' 59.07" N	92° 13' 17.32" E	North
41	26° 32' 20.39" N	92° 13' 26.85" E	North-east (to point 1)

Note: The boundary of the ESZ along the Brahmaputra River will be its natural course boundary.

ANNEXURE-III

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF RAJIV GANDHI ORANG NATIONAL PARK WITH LATITUDES AND LONGITUDES



ANNEXURE-IV

Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of meetings;
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure;
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan;
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise);

 Details may be attached as Annexure
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006;

 Details may be attached as separate Annexure;
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006;

 Details may be attached as separate Annexure;
7. Summary of complaints ledged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986;
8. Any other matter of importance.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.